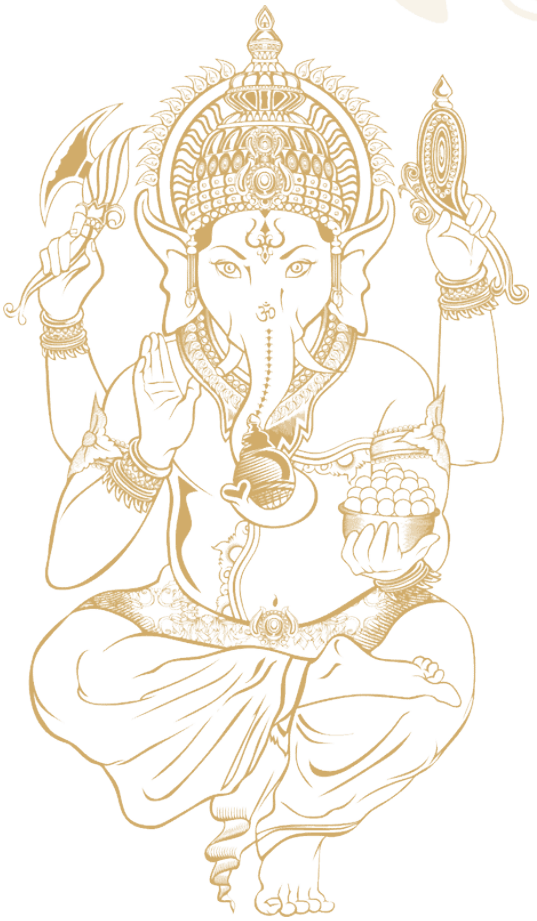

Sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120765802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20-21/03/2009	जन्म तिथि	04/01/2005
शुक्र-शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 03:02:00	जन्म समय	21:30:00 घंटे
घटी 51:17:54	जन्म समय(घटी)	35:55:15 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:30:50	सूर्योदय	07:07:54
18:37:39	सूर्यास्त	17:55:04
23:59:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:30

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 4वर्ष 7मा 7दि		02:15:16	मक	लग्न	सिंह	08:49:10	मंगल 2वर्ष 7मा 20दि	
मंगल		06:24:59	मीन	सूर्य	धनु	20:28:42	गुरु	
27/10/2023		29:46:16	धनु	चंद्र	तुला	01:38:13	26/08/2025	
27/10/2030		10:31:13	कुंभ	मंगल	वृश्चि	12:57:12	26/08/2041	
मंगल	25/03/2024	26:42:55	कुंभ	बुध	वृश्चि	28:49:52	गुरु	15/10/2027
राहु	12/04/2025	22:56:28	मक	गुरु	कन्या	23:41:37	शनि	27/04/2030
गुरु	19/03/2026	17:24:29	मीन व	शुक्र	वृश्चि	29:45:53	बुध	02/08/2032
शनि	28/04/2027	23:26:30	सिंह व	शनि व	कर्क	00:42:51	केतु	09/07/2033
बुध	24/04/2028	12:47:43	मक व	राहु व	मेष	04:12:12	शुक्र	09/03/2036
केतु	20/09/2028	12:47:43	कर्क व	केतु व	तुला	04:12:12	सूर्य	26/12/2036
शुक्र	20/11/2029	29:03:50	कुंभ	हर्ष	कुंभ	10:08:08	चन्द्र	27/04/2038
सूर्य	28/03/2030	01:15:44	कुंभ	नेप	मक	20:02:40	मंगल	03/04/2039
चन्द्र	27/10/2030	09:15:07	धनु	प्लूटो	वृश्चि	28:55:51	राहु	26/08/2041

लग्न-चलित

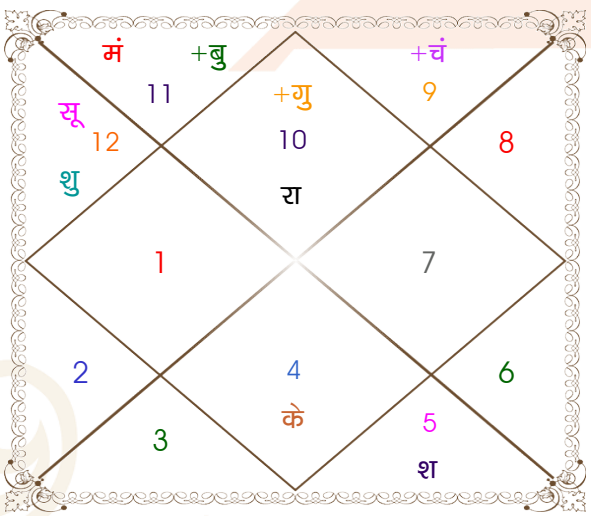

लग्न-चलित

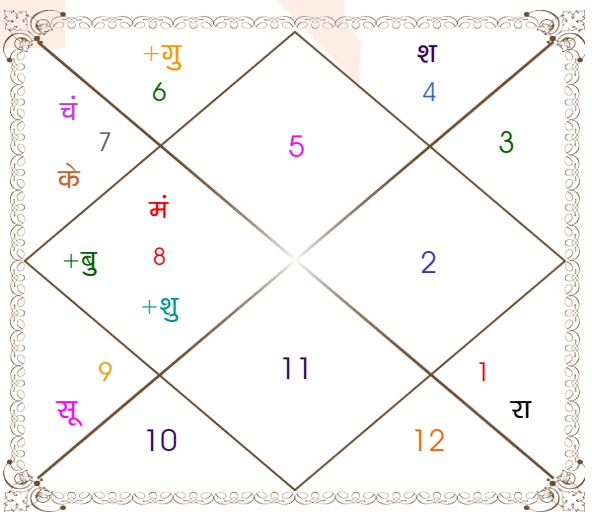

PT. Vishwas Dubey
HATOD DIST INDORE MP
9977779700

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Sakshi का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sakshi और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Sakshi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sakshi तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

PT. Vishwas Dubey
HATOD DIST INDORE MP
9977779700